# Essence Of Murli

24/3/2015

- अखबार में भी पड़ेगा-प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियां। यह नाम भी बड़ा अच्छा है ना। प्रजापिता तो सबका बाप हो गया। वह कोई कम है क्या! और फिर बाप खुद सेरीमनी कराते हैं। करनकरावनहार है ना।

- गाते भी हैं - हे प्रभू अंधों की लाठी। सब अन्धे ही अन्धे हैं। तो बाप आकर लाठी बनते हैं। ज्ञान का तीसरा नेत्र देते हैं, जिससे तुम स्वर्ग में नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार जाते हो।

- समझाया जाता है-आत्माओं का बाप परमपिता परमात्मा पतित-पावन है।

- तो बाप आकर स्वर्ग का अथवा सुख-शान्ति का गेट बतलाते हैं।

- बच्चे जानते हैं बाबा हमको मुक्ति-जीवनमुक्ति, शान्ति और सुख का रास्ता बताते हैं।